MADHYANCHAL PROFESSIONAL UNIVERSITY

SCHEME FOR M.Phill

SEMESTER -1

Subject Name-Hindi Literature

S.NO	NAME OF THE PAPER	PAPER CODE	THEORY		TOTAL MARKS	HOURS PER WEEK		TOTAL CREDIT
			END SEM	INTERNAL		L	T	
1	**अनुसंधान** कार्यप्रणाली	**MPHIN101**	60	40	100	3	1	4
2	हिन्दी भाषा और प्रयुक्तियों का सामाजिक संदर्भ	**MPHIN102**	60	40	100	3	1	4
3	**आधुनिक चिंतन**	**MPHIN103**	60	40	100	3	1	4
4	**सौंदर्य शास्त्र एवं शैली विज्ञान**	**MPHIN104**	60	40	100	3	1	4
5	साहित्य की समीक्षा	**MPHIN105**	60	40	100	3	1	4
	TOTAL MARKS		**300**	**200**	**500**			

INTERNAL- ARTICLE/PAPER/ CLASS ROOM TEACHING/FIELD VISIT /SEMINAR/CONFERENCE

SCHEME FOR M.Phill

SEMESTER –II

Subject Name-Hindi Literature

S.NO	NAME OF THE PAPER	PAPER CODE	THEORY		TOTAL MARKS	HOURS PER WEEK		TOTAL CREDIT
			END SEM	INTERNAL		L	T	
1	अनुसंधान प्रविधि	**MPHIN201**	60	40	100	3	1	4
2	साहित्य का समाज शास्त्र	**MPHIN202**	60	40	100	3	1	4
3	साहित्य का इतिहास दर्शन	**MPHIN203**	60	40	100	3	1	4
4	साहित्य और पत्रकारिता	**MPHIN204**	60	40	100	3	1	4
5	शोध प्रबंध की रिपोर्ट	**MPHIN205**	60	40	100	3	1	4
	TOTAL	**MARKS**	**300**	**200**	**500**			

INTERNAL- ARTICLE/PAPER/ CLASS ROOM TEACHING/FIELD VISIT /SEMINAR/CONFERENCE

Paper -1

पाठ्यक्रम कोड **-MPHIN101**
अनुसंधान कार्यप्रणाली

यूनिट 1 अनुसंधान पद्धति :

अनुसंधान: प्रकृति और कार्य, साहित्य अनुसंधान के प्रकार, साहित्य सर्वेक्षण: तथ्यों की खोज; तथ्यों का सत्यापन; सबूत का विश्लेषण; सत्य और कारण, पुस्तकालय संदर्भ योजना; नोट मेकिंग, इंटरनेट, शोध प्रबंध / थीसिस कैसे लिखें ?, फुट- नोट्स, ग्रंथ सूची, शब्दकोष, सूचकांक, उद्धरण।, थीसिस में भाषा। पांडुलिपियों की तैयारी, टाइप स्क्रिप्ट, प्रूफ-रीडिंग।

यूनिट 2 अनुसंधान का स्वरूप और मूल तत्व;

हिन्दी में अनुसंधान के विकास का इतिहास अनुसंधान की प्रक्रिया : विषय निर्वाचन, सामग्री-संकलन : हस्तलेखों का संकलन और उपयोग, ग्रंथानुक्रमणिका प्रस्तुत करना,शोधकार्य का विभाजन : संक्षिप्त रूपरेखा तैयार करना, अध्याय शीर्षक-उपशीर्षक और अनुपात, शोध-प्रबंध की रूपरेखा : विषय-सूची, प्रस्तावना, भूमिका, सहायक ग्रंथों की सूची,संदर्भ उल्लेख : पाद-टिप्पणी और प्रबंध का प्रस्तुतीकरणअनुसंधान के विविध प्रकार : विषय के अनुसार अनुसंधान के प्रकार, कार्यप्रणाली के अनुसार अनसंधान के प्रकार, प्रयोगात्मक शोध, सैद्धान्तिक शोध, क्रियात्मक शोध, सर्वेक्षणात्मक शोध, दस्तावेजी शोध, व्याख्यानात्मक शोध आदि ,शोध प्रबंध लेखन प्रणाली

यूनिट 3) भाषाविज्ञान:

भाषाविज्ञान की प्रकृति और स्कोप, भाषाविज्ञान की शाखाएँ: भाषा विज्ञान और स्वर विज्ञान, लेक्सिस, सिंटैक्स, शब्दार्थ, भाषा शिक्षण के मूल तत्व: उद्देश्य, उद्देश्य विधियाँ, प्रमुख दृष्टिकोण और भाषा शिक्षण के तरीके।

इकाई - 4) - कम्प्यूटर कौशल:

कंप्यूटर का संक्षिप्त इतिहास, कंप्यूटर की पीढ़ी, अनुसंधान में कंप्यूटर का अनुप्रयोग। कंप्यूटर, ऑपरेटिंग सिस्टम और ऑपरेटिंग सिस्टम के प्रकार के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का परिचय। डाटा प्रोसेसिंग टूल और तकनीक, कंप्यूटर का सुरक्षा मुद्दा, लेटेक्स का उपयोग।

यूनिट - ५) सांख्यिकी कैलकुलेशन:

केंद्रीय प्रवृत्ति के सरल सांख्यिकीय गणना के लिए एक्सेल का उपयोग, एस.डी. सहसंबंध, प्रतिगमन, ग्राफिक्स और आरेखों की तैयारी, शोध में कारक विश्लेषण SPSS का अनुप्रयोग।

- **पुस्तकें निर्धारित**
- जी। वाटसन: द लिटरेरी थीसिस
- F.W Batson: विद्वान आलोचक
- अल्टिच: द आर्ट ऑफ़ लिटरेरी रिसर्च

- जोसेफ गिबाल्डी: शोध पत्रों के लेखकों के लिए हाथ की किताब (हाल के संस्करण)
- वेलेक और वॉरेन: साहित्य का सिद्धांत
- हैंस ब्रीटन: साहित्यिक सिद्धांत की मूल बातें
- के। एम। न्यूटन: 20 वीं शताब्दी का साहित्यिक सिद्धांत
- कोजोन लियोन: भाषाविज्ञान में नए क्षितिज
- जैक रिचड्र्स और थियोडोर रॉजर्स: भाषा शिक्षण में दृष्टिकोण और तरीक

Paper -2

पाठ्यक्रम कोड **-MPHIN102**

□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□

यूनिट 1 :समाज भाषा विज्ञान और भाषा के समाज शास्त्र का परिचय, मूलभूत संकल्पनाएँ, भाषा समुदाय, भाषा प्रकार्य, संप्रेषण सामर्थ्य.

यूनिट 2: भाषा प्रयोग की विशेषताएँ और प्रयुक्तियों की संकल्पनाओं का परिचय , स्थिति-संदर्भ और संस्कृति संदर्भ ,प्रोक्ति विश्लेषण का परिचय.

यूनिट 3: हिन्दी भाषा का सामाजिक संदर्भ, बहुभाषी समाज में हिन्दी की भूमिका, भाषा समस्या, अभिगम– स्वातन्त्रयपूर्वकाल और स्वातंत्रयोत्तरकाल भाषा - संविधानपरक अभिगम और हिन्दी का स्थान.

यूनिट 4 :सामाजिक और राजनैतिक जीवन से संबंधित स्थितियों में भारत में हिन्दी की भूमिका

राष्ट्रीय जीवन में हिन्दी की भूमिका : राष्ट्रभाषा के रूपमें, राजभाषा के रूप में, संपर्क भाषा के रूप में, लोक भाषा के रूप में, जनसामान्य में सम्प्रेषण का माध्यम निम्न क्षेत्रों में हिन्दी का स्थान : शिक्षा का माध्यम, शासकीय, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक,भाषा योजना : त्रिभाषा सूत्र.

यूनिट 5:हिन्दी भाषा का सामाजिक संदर्भ, बहुभाषी समाज में हिन्दी की भूमिका, भाषा समस्या, अभिगम– स्वातन्त्रयपूर्वकाल और स्वातंत्रयोत्तरकाल,भाषा - संविधानपरक अभिगम और हिन्दी का स्थान,सामाजिक और राजनैतिक जीवन से संबंधित स्थितियों में भारत में हिन्दी की भूमिका

सहायक ग्रंथ:

1. भाषाई अस्मिता और हिन्दी, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी भाषा चिन्तन, प्रो. दिलीप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भाषा शिक्षण, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी भाषा की सामाजिक संरचना, भोलानाथ तिवारी
5. हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र, दिलीप सिंह

Paper -3

पाठ्यक्रम कोड **-MPHIN103**

आधुनिक चिंतन

यूनिट 1 :विचारधारा और साहित्य, मध्ययुगीन-बोध और आधुनिकता-बोध में साम्य-वैषम्य, आधुनिकाता की संकल्पना का परिचय देते हुएउसकी पूर्व पीठिका और आधुनिक चिन्तन के आधारणाओं को स्पष्ट करना.

यूनिट 2 आधुनिकता-बोध और औद्योगिक-संस्कृति, परम्परा और आधुनिकता, साहित्य के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक चिंतन की अभिव्यक्ति का परिचय, भारत में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया के दौरान साहित्यिक रचनाओं में आनेवाली वैचारिकता का परिचय.

यूनिट 3 :आधुनिकता-बोध और औद्योगिक-संस्कृति, परम्परा और आधुनिकता, भारत में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया के दौरान साहित्यिक रचनाओं में आनेवाली वैचारिकता का परिचय.

यूनिट 4 राष्ट्रीयता और अन्तरराष्ट्रीयता, राष्ट्रीय स्वातंत्रय आंदोलन, पुनर्जागरण, पुनरुत्थान और हिन्दी लोक-जोगरण, भारत में राष्ट्रीय स्वातंत्रय आंदोलन की प्रक्रिया के दौरान साहित्यिक रचनाओं में आनेवाली वैचारिकता का परिचय.

यूनिट 5 हिन्दी साहित्य में संबद्ध विशिष्ट मतवाद – आध्यात्मवाद, गाँधीवाद,मार्क्सवाद, धर्म, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, अन्तश्चेतनावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद, अस्मितामूलक चिंतन. भारतीय नवजागरण की प्रक्रिया और साहित्य के अंतःसंबंधों को स्पष्ट करते हुए वर्तमान समय तक परिवर्तनशील स्थितियों में विकसित साहित्य को प्रभावित करनेवाली विचारधाराओं का परिचय.

सहायक ग्रंथ:

- आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण, रमेश कुंतल मेघ
- आधुनिकता, गंगाप्रसाद विमल,

- भारतीय चिंतन परंपरा, के. दामोदरन, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस,
- आधुनिकता के तीन अध्यया, धनंजय वर्मा
- योरप और भारतीय नवजागरण, रामविलास शर्मा
- पिछड़े हुए समाज और मार्कस्, रामविलास शर्मा
- साहित्य और विचार धारा, अमृत राय

Paper -4

पाठ्यक्रम कोड **-MPHIN104**

(सौंदर्य शास्त्र एवं शैली विज्ञान)

यूनिट 1 सैंदर्य की परिभाषा और स्वरूप,दर्शन की एक शाखा के रूप में सौंदर्यशास्त्र का उद्भव और विकास,सौंदर्य के तत्व,सौंदर्यानुभूति का स्वरूप,ललित कलाओंके वर्गीकरण.

यूनिट 2 □□□ □□□□□□ : □□□□ □□ □□□□□,□□□ □□□□□□-□□□□□□; □□□□□□□ □□ □□□□□□□, □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□, □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□, □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□, □□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□, □□□□□□□□□ □□ □□□□-□□□□□□, □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□, □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□, □□□ □□□□□□ □□ □□□□□ (□□□□□□ □□□□□)

यूनिट 3 □□□□ □□□□□□□□, □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□, □□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□, □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□.

यूनिट 4 शैली-संधारणा, परिभाषा-विवेचन, भाषा शैलीऔर संदर्भ, शैली की कुछ मुख्य संधारणाएँ समानांतरता,अग्रप्रस्तुतीकरण, विपधन,चयन,ट्रापिकलाइजेशन, रीति, अरंकार, औचित्य, ध्वनि, शैली चिह्नक.

यूनिट 5 सौंदर्यशास्त्र और काव्यशास्त्र का परस्पर संबंध, सौंदर्य शास्त्र और शैली विज्ञान साहित्य, सौंदर्यानुभूति और उसकी अभिप्रेरणाओं और अभिव्यक्त पद्धतियों का विश्लेषण, सौंदर्य शास्त्र और शैली विज्ञान के विश्लेषण के क्षेत्र के प्रतिमानों और प्रक्रिया परिचय.

सहायक ग्रंथ:

1. शैली विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, शब्दकार,
2. शैली विज्ञान और आलोचना की नई भूमिका, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
3. शैलीविज्ञान, डॉ. सुरेश कुमार
4. शैली और शैलीविश्लेषण, डॉ. पांडेय शशिभूषण शीतांशु, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
5. शैली, डॉ. रामचन्द्र, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना
6. शैलीविज्ञान प्रतिमान और विश्लेषण, कृष्ण कुमार शर्मा
7. आस्था और सौंदर्य, रामविलास शर्मा
8. कला के सिद्धांत, कालिंग वुज, राजस्थान ग्रंथ अकादमी, उदाय पुर

9. सौंदर्य मीमांसा, इमानुपुल कांट, राजस्थान ग्रंथ अकादमी, उदायपुर
10. सौंदर्य तत्व और काव्य सिद्धान्त, डॉ सुरेन्द्र बालिंग, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली,
11. अथातो सौंदर्य जिज्ञासा, रमेश कुंतल मेघ, राकमल प्रकाशन
12. सौंदर्य शास्त्र के तत्व, कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन

Paper -5

पाठ्यक्रम कोड -MPHIN105

साहित्य की समीक्षा

एक साहित्य समीक्षा या कथा समीक्षा एक प्रकार का समीक्षा लेख होता है। एक साहित्य समीक्षा एक विद्वानों का पेपर है, जिसमें वर्तमान ज्ञान शामिल हैं जिसमें ठोस निष्कर्ष शामिल हैं, साथ ही एक विशेष विषय के लिए सैद्धांतिक और पद्धतिगत योगदान भी शामिल है। साहित्य समीक्षा माध्यमिक स्रोत हैं, और नए या मूल प्रयोगात्मक कार्य की रिपोर्ट नहीं करते हैं। अधिकांश अक्सर अकादमिक-उन्मुख साहित्य से जुड़े होते हैं, ऐसी समीक्षाएं अकादमिक पत्रिकाओं में पाई जाती हैं, और उन किताबों की समीक्षाओं से भ्रमित नहीं होना चाहिए जो एक ही प्रकाशन में भी दिखाई दे सकती हैं। साहित्य समीक्षा लगभग हर शैक्षणिक क्षेत्र में शोध का एक आधार है। एक संकीर्ण दायरे की साहित्य समीक्षा एक सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिका के हिस्से के रूप में शामिल हो सकती है, जो नए शोध प्रस्तुत कर रही है, प्रासंगिक साहित्य के शरीर के भीतर

वर्तमान अध्ययन को स्वस्थ करने और पाठक के लिए संदर्भ प्रदान करने के लिए सेवा प्रदान कर रही है। ऐसे मामले में, समीक्षा आमतौर पर कार्यप्रणाली और कार्य के परिणाम वर्गों से पहले होती है।

Semester: 2

Paper -1

पाठ्यक्रम कोड –**MPHIN201**

अनुसंधान प्रविधि

यूनिट 1

:शोध प्रबंध लेखन प्रणाली, शोध-प्रबंध की रूपरेखा : विषय-सूची, प्रस्तावना, भूमिका, सहायक ग्रंथों की सूची,संदर्भ उल्लेख : पाद-टिप्पणी और प्रबंध का प्रस्तुतीकरणअनुसंधान के विविध प्रकार : विषय के अनुसार अनुसंधान के प्रकार, कार्यप्रणाली के अनुसार अनसंधान के प्रकार, प्रयोगात्मक शोध, सैद्धान्तिक शोध, क्रियात्मक शोध, सर्वेक्षणात्मक शोध, दस्तावेजी शोध, व्याख्यानात्मक शोध आदि ,शोध प्रबंध लेखन प्रणाली

यूनिट 2 भाषाविज्ञान:

भाषाविज्ञान की प्रकृति और स्कोप, भाषाविज्ञान की शाखाएँ: भाषा विज्ञान और स्वर विज्ञान, लेक्सिस, सिंटैक्स, शब्दार्थ, भाषा शिक्षण के मूल तत्व: उद्देश्य, उद्देश्य विधियाँ, प्रमुख दृष्टिकोण और भाषा शिक्षण के तरीके।

यूनिट 3

अनुसंधान का स्वरूप और मूल तत्व; हिन्दी में अनुसंधान के विकास का इतिहास,अनुसंधान की प्रक्रिया : विषय निर्वाचन, सामग्री-संकलन : हस्तलेखों का संकलन और उपयोग, ग्रंथानुक्रमणिका प्रस्तुत करना,शोधकार्य का विभाजन : संक्षिप्त रूपरेखा तैयार करना, अध्याय शीर्षक-उपशीर्षक और अनुपात, शोध-प्रबंध की रूपरेखा : विषय-सूची, प्रस्तावना, भूमिका, सहायक ग्रंथों की सूची.

यूनिट 4

संदर्भ उल्लेख : पाद-टिप्पणी और प्रबंध का प्रस्तुतीकरण,अनुसंधान के विविध प्रकार : विषय के अनुसार अनुसंधान के प्रकार, कार्यप्रणाली के अनुसार अनसंधान के प्रकार, प्रयोगात्मक शोध, सैद्धान्तिक शोध, क्रियात्मक शोध, सर्वेक्षणात्मक शोध, दस्तावेजी शोध, व्याख्यानात्मक शोध आदि

यूनिट 5 अनुसंधान: प्रकृति और कार्य, साहित्य अनुसंधान के प्रकार, साहित्य सर्वेक्षण: तथ्यों की खोज; तथ्यों का सत्यापन; सबूत का विश्लेषण; सत्य और कारण, पुस्तकालय संदर्भ योजना; नोट मेकिंग, इंटरनेट, शोध प्रबंध / थीसिस कैसे लिखें ?, फुट- नोट्स, ग्रंथ सूची, शब्दकोष, सूचकांक, उद्धरण।, थीसिस में भाषा। पांडुलिपियों की तैयारी, टाइप स्क्रिप्ट, प्रूफ-रीडिंग।

सहायक ग्रंथ:

1. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, प्रो. एस.एन. गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. शोध और सिद्धांत : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
3. शोध का स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि – बैजनाथ सिंहल
4. शोध प्रविधि और प्रक्रिया – डॉ. चन्द्रभान राव, डॉ. रामकुमार खण्डेलवाल
5. अनुसंधान की प्रक्रिया – डॉ. माताप्रसाद गुप्त
6. शोधतंत्र और दृष्टि – डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल
7. अनुसंधान : प्रविधि और क्षेत्र – राजमल बोरा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

Paper -2

पाठ्यक्रम कोड –**MPHIN202**
(साहित्य का समाज शास्त्र)

यूनिट 1: साहित्य का समाजशास्त्र : परिभाषा, स्वरूप और संस्कृति के समाजशास्त्र से साहित्य के समाजशास्त्र का पार्थक्य.

यूनिट 2 :साहित्य के सामाजिक सिद्धान्त : उद्भव और विकास – साहित्य का सामाजिक सन्दर्भ : मैडा-डि-स्वेल, हर्डर, टेन ; साहित्य एक सामाजिक संस्थान केरूप में: डकन,रूचक, बर्नेट, एस्कारपिट तथा रेने वेलेक आदि.

यूनिट 3: साहित्य का समाजशास्त्र : परिभाषा, स्वरूप और संस्कृति के समाजशास्त्र से साहित्य के समाजशास्त्र का पार्थक्य मार्क्सवादी परम्परा : मार्क्स से लुसिएं गोल्ड्समान आदि तक अंग्रेजी निकाय : लिविरा, होगार्ट, विलियम, संरचनावाद : जानाथन कलर.

यूनिट 4 :गोल्डमैन, भाष्य विज्ञान : बुल्फ, टेलक्वेल वर्ग आदि,पद्धति की समस्याएँ और समाजशास्त्रीय अध्ययन की सीमाएँ,साहित्यिक कल्पना और समाजशास्त्रीय कल्पना,समाजशास्त्रीय अध्ययन की सामग्रीकेरूपमेंसाहित्यकी उपयोगिता,हिन्दी में समाजशास्त्रीय आलोचनाका उद्भव एवं विकास.

यूनिट 5: साहित्य की रचना प्रक्रिया से लेकर साहित्य में अभिवर्णित व्यक्ति और समाज के संबंधों का विश्लेषण, साहित्य के समाजशास्त्र के उपागम अध्ययन पद्धति का विकास, अवधारणा और सिद्धांत.

सहायक ग्रंथ:

1. साहित्य का समाजशास्त्र : मान्यता और स्थापना – श्रीराम मेहरोत्रा, रचना प्रकाशन, वाराणसी
2. साहित्य का समाजशास्त्र : अवधारणा, सिद्धांत और पद्धति, वी.डी. गुप्ता, सीता प्रकाशन, हाथरस
3. साहित्यिक संस्था संरचना और प्रकार्य – वी.डी. गुप्ता, सीता प्रकाशन, हाथरस
4. साहित्य का वस्तुपरक विश्लेषण - वी.डी. गुप्ता, सीता प्रकाशन, हाथरस
5. साहित्य का समाजशास्त्र - डॉ. नगेन्द्र

Paper -3

पाठ्यक्रम कोड –**MPHIN203**
साहित्य का इतिहास दर्शन

यूनिट 1: साहित्य का इतिहास : परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ,साहित्यिक इतिहास और आलोचना का परस्पर संबंध**,** साहित्य के इतिहास दर्शन का परिचय.

यूनिट 2: ऐतिहासिक विकाक से सिद्धान्त : जैविकीय विकास : दर्शन, विधेयवादी विकास दर्शन :विशेषतः तेन, ऐतिहासिक भौतिकवादी विकासदर्शन : मार्क्स-एंगेल्स और उनके अनुयायी : नव आदर्शवादी विकास दर्शन : स्पेंगलर, टाएनली और साहित्यिक विकास के नियम.

यूनिट 3 : कुछ महत्वपूर्ण विचार-संप्रदाय और साहित्य का इतिहास : विधेयवाद और साहित्य का इतिहास,द्वंद्वात्मक भौतिकवाद और साहित्य का इतिहास, भाषाशास्त्र और साहित्य का इतिहास,काल विभाग : काल विभाजन के विभिन्न सिद्धान्त और उनका मूल्यांकन.

यूनिट 4 साहित्य के इतिहास के कालविभाजन के सिद्धान्त और उनकी समस्याएँ,हिन्दी साहित्य के इतिहास ग्रंथ और उनके दर्शन – गार्सा-द-तासि, शिवराज सिंह सरोज, जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन, मिश्रबंधु, रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, गणपति चंद्रगुप्त .

यूनिट 5 साहित्य सृजन के विभिन्न आयामों के विश्लेषण के सिद्धांतों का परिचय, इतिहास के प्रति पाश्चात्य और भारतीय दृष्टिकोण का परिचय, हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की प्रणालियों और हिन्दी साहित्य के इतिहासकारों के इतिहास दर्शन का भी परिचय.

सहायक ग्रंथ:

1. साहित्य का इतिहास दर्शन, नलिन विलोचल शर्मा
2. साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पांडेय
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचंन्द्र शुक्ल
4. इतिहास दर्शन, रामविलास शर्मा
5. इतिहास दर्शन, परमानन्द सिंह

Paper -4

पाठ्यक्रम कोड –**MPHIN204**

साहित्य और पत्रकारिता

यूनिट 1: मीडिया : स्वरूप, प्रकृति और प्रकार ,समकालीन मीडिया : शक्ति और सीमाएँ ,हिन्दी साहित्य और हिन्दी पत्रकारिता .

यूनिट 2: मीडिया की भाषा ,हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता का समकाल,विज्ञापन संस्कृति, उपभोक्तावाद और मीडिया,भूमंडलीकरण, साहित्य और मीडिया ,साहित्य और संस्कृति,मीडिया और संस्कृति,साहित्य, मीडिया और संस्कृति : अन्तः सम्बन्ध एवं अन्तः प्रभाव.

यूनिट 3: हिन्दी साहित्य और मीजिया के सम्बन्धों की पूरी परंपरा, सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों के विश्लेषण ।पथ साहित्य और पत्रकारिता, मनुष्य, समाज और संस्कृति का निर्माण, साहित्य और मीडिया .

यूनिट 4: हिन्दी के साहित्यकार –पत्रकार,समकालीन मीडिया और हिन्दी साहित्य ,मीडिया और समाज ,मीडिया और लोकतंत्र ,मीडिया और स्त्री/दलित एवं अल्पसंख्यक.

यूनिट 5: साहित्य और संस्कृति,मीडिया और संस्कृति,साहित्य, मीडिया और संस्कृति : अन्तः सम्बन्ध एवं अन्तः प्रभाव.

सहायक ग्रंथ:

1. समय और संस्कृति : श्यामाचरण दुबे
2. मानव और संस्कृति : श्यामाचरण दुबे
3. संक्रमण की पीड़ा : श्यामाचरण दुबे
4. परंपरा और परिवर्तन : श्यामाचरण दुबे
5. विकल्पहीन नहीं है दुनिया : किशन पटनायक
6. समय से संवाद : के डी पालीवाल
7. लोक माध्यम : सत्यदेव त्रिपाठी
8. पत्रकारिता के आधुनिक चरण : कृपाशंकर चौबे
9. भूमंडलीकरण और मीडिया : कुमुद शर्मा
10. संस्कृति, विकास और संचार क्रांति : पूरन चन्द्र जोशी
11. संचार मध्यमों का वर्ग चरित्र : रेमंड विलियम्स

‘

Paper -2
Paper -5

पाठ्यक्रम कोड –**MPHIN205**
शोध प्रबंध की रिपोर्ट

शोध प्रबंध की रिपोर्ट [illegible] डॉ नगेन्द्र [illegible]